
.. shrIkAlAntakAShTakam ..

॥ श्रीकालान्तकाष्टकम् ॥

Sanskrit Document Information



Text title : kAlAntakAShTakam

File name : kAlAntakAShTakam.itx

Category : aShTaka

Location : doc_shiva

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhyaA 211

Latest update : February 28, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

February 28, 2017

sanskritdocuments.org



॥ श्रीकालान्तकाष्टकम् ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥

कमलापतिमुखसुरवरपूजित काकोलभासितग्रीव ।
काकोदरपतिभूषण कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ १ ॥

कमलाभिमानवारणदक्षाङ्घ्रे विमलशेमुषीदायिन् ।
नतकामितफलदायक कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ २ ॥

करुणासागर शम्भो शरणागतलोकरक्षणधुरीण ।
कारण समस्तजगतां कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ३ ॥

प्रणतार्तिहरणदक्ष प्रणवप्रतिपाद्य पर्वतावास ।
प्रणमामि तव पदाब्जे कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ४ ॥

मन्दार नतजनानां वृन्दारकवृन्दगेयसुचरित्र ।
मुनिपुत्रमृत्युहारिन् कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ५ ॥

मारारण्यदवानल मायावारीन्द्रकुम्भसञ्जात ।
मातङ्गचर्मवासः कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ६ ॥

मोहान्धकारभानो मोदितगिरिजामनःसरोजात ।
मोक्षप्रद प्रणमतां कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ७ ॥

विद्यानायक मह्यं विद्यां दत्त्वा निवार्य चाविद्याम् ।
विद्याधरादिसेवित कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ८ ॥


कालान्तकाष्टकमिदं पठति जनो यः कृतादरो लोके ।
कालान्तकप्रसादात्कालकृता भीर्न सम्भवेत्तस्य ॥ ९ ॥

इति श्रीकालान्तकाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

॥ श्रीकालान्तकाष्टकम् ॥

on February 28, 2017

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

